उर्वरक क्षेत्र में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर /(ePoS) योजना

पृष्ठभूमि

केंद्र एवं राज्य प्रायोजित कई योजनाओं एवं कार्यक्रमों में Digitisation के कार्य को बढ़ावा दिया जा रहा है इसी क्रम में **रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार** के निर्देशों के आलोक में बिहार राज्य में कृषि विभाग अंतर्गत उर्वरक क्षेत्र में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) योजना **1 जनवरी 2018** से राज्य में लागू है | इस योजना/कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी अधिकृत खुदरा उर्वरक बिक्री केंद्रों पर पॉइंट ऑफ सेल (PoS) मशीन के माध्यम से उर्वरकों की बिक्री की जा रही है | सभी अधिकृत खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को आधार कार्ड अनिवार्य है तथा उर्वरक क्रय करने वाले किसान को **आधार कार्ड** या **आधार कार्ड के नामांकन संख्या** के साथ **(i)** किसान क्रेडिट कार्ड **(ii)** मतदाता पहचान पत्र में से किसी एक पहचान पत्र को उर्वरकों की क्रय हेतु लाना अनिवार्य है |

आमजन में अभी यह धारणा है कि LPG मॉडल की ही तरह उर्वरक क्षेत्र में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) लागू होने के पश्चात उन्हें उनके बैंक खाते में सरकार द्वारा उर्वरक अनुदान की राशि हस्तांतरित की जाएगी **– यह धारणा अभी उचित नहीं है |**

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर तीन तरह के हैं -

1. **Cash Transfer to Individual Beneficiary**- MGNREGA, PAHAL, NSAP, Scholarships.
2. **In-kind Transfer from Government to Individual Beneficiary** –SSA, Mid Day Meals, PDS, Assistance to State for Control of Animal Disease, **DBT in Fertilizers.**
3. **Other Transfers**- This category includes transfers made to the various enablers of government schemes like community workers, NGOs, in the form of honorarium, incentives, etc. for successful implementaon of the schemes. Example - ASHA workers under NHM, Aanganwadi workers under ICDS, teachers in aided schools.

उर्वरक क्षेत्र में प्रथम चरण में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अधिकृत एवं " आधार" प्रमाणित खुदरा उर्वरक विक्रेता द्वारा ही उर्वरकों की बिक्री होगी तथा साथ ही साथ उर्वरकों के क्रय करने वाले किसान उपरोक्त उन पहचान पत्रों में से किसी एक के पीओएस (PoS) मशीन द्वारा ऑनलाइन वेरिफिकेशन के पश्चात ही उर्वरक क्रय कर पाएंगे|

सारांश

उर्वरक क्षेत्र में डीबीटी के लागू होने के पश्चात इस क्षेत्र में Real Time Verification एवं Real Time Data/stock updation, acknowledgement, sell-purchage इत्यादि Digitally & Real Time Basis पर संभव है, उर्वरकों की कालाबाजारी पर भी लगाम लगेगी, उर्वरकों के Real Time Status कई स्तरों पर "Single Click" पर उपलब्ध होगी तथा इससे प्रणाली में पारदर्शिता आएगी एवं विभागो एवं मंत्रालयों को नीति निर्धारण करने में मददगार साबित होगी |

कार्यालय पत्राचार का पता

कमरा सं-05 (भू-तल), डी.बी.टी.सेल, कृषि विभाग, विकास भवन, नया सचिवालय, पटना-15

Mob.: 9934066861, Email : dbtcellbihar@gmail.com